बच्चों के लिए बाइबिल

प्रस्तुति

आराधनालय के एक अगुवे की यीशु से मुलाकात

लेखक : Edward Hughes

व्याख्याकार : Byron Unger; Lazarus

अनुवाद : Suresh Kumar Masih

रूपान्तरकार : M. Maillot; Sarah S.

60 कहानियों में से 41 (पहला)

www.M1914.org

Bible for Children, *PO Box 3, Winnipeg, MB R3C 2G1 Canada*

अनुज्ञापत्र (लाइसेंस): आप इन कहानियों की छाया प्रति और मुद्रण करवा सकते हैं, बशर्ते कि बेचें नहीं।

हिन्दी Hindi

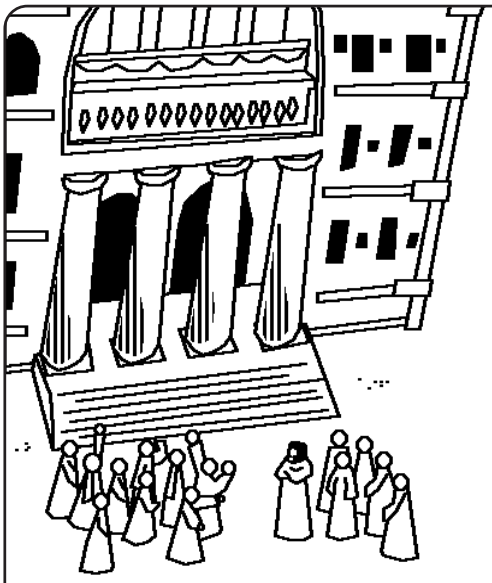

अगुओं ने यीशु को चिन्ह दिखाने के लिए कहा जिससे मालूम हो कि उसे मंदिर को खाली करने का अधिकार है। यीशु ने उत्तर दिया, "इस मंदिर को तुम नष्ट कर दो और मैं उसे तीन दिन में पुनः खड़ा कर दूंगा।"

3

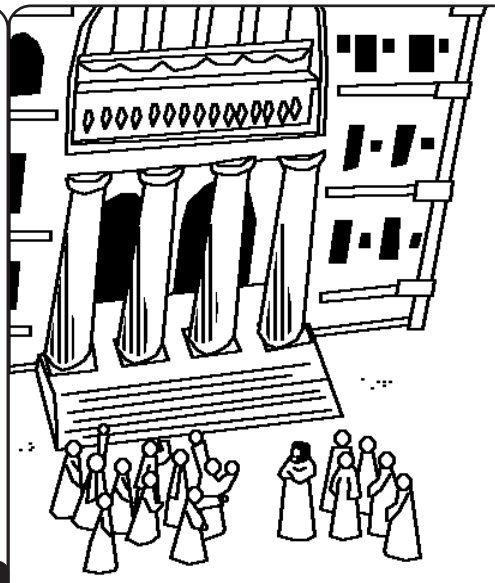

असंभव! इस मंदिर के निर्माण में छियालीस साल लगे थे।

4

यीशु अपने शरीर के बारे में कहा था। मंदिर की तरह, उसका शरीर भी परमेश्वर का निवास स्थान था। हालांकि यीशु क्रूस पर मरेगा, परन्तु उसे यह मालूम था कि परमेश्वर उसे तीसरे दिन मृतकों में से जिलायेगा।

5

एक रात, आराधनालय के अगुओं में से एक ने यीशु से मुलाकात की। चमत्कारों के माध्यम से उसे पता था कि यीशु परमेश्वर की ओर से भेजा गया था। निकुदेमुस, यीशु के पास परमेश्वर के बारे में और अधिक जानने के लिए आया था।

6

यीशु ने नीकुदेमुस से कहा की लोगों को परमेश्वर के राज्य में प्रवेश करने के लिए नए सिरे से जन्म लेना होगा। निकुदेमुस इसे नहीं समझ पाया। एक बड़ा आदमी फिर से एक बच्चा कैसे बन सकता है? दिलचस्प बात यह है कि वह एक धार्मिक व्यक्ति था। क्या उसके लिए यह पर्याप्त नहीं था?

7

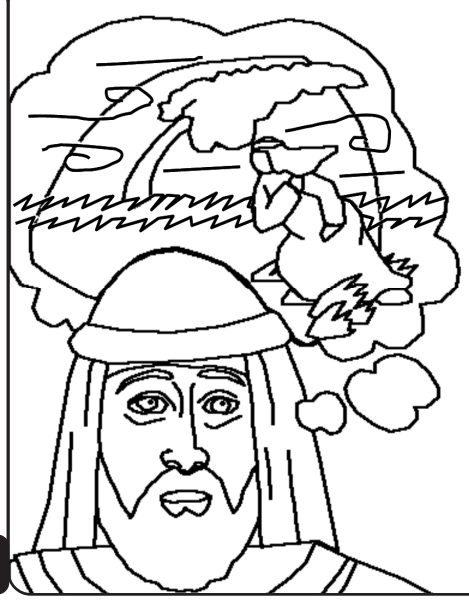

"आत्मा से जो जन्मा है वह आत्मा है," यीशु समझाया। "परमेश्वर की आत्मा एक हवा की तरह है। लोग हवा को देख या समझ नहीं सकते। हवा क्या करता है, हम केवल उसे ही देखते हैं"।

8

यीशु ने निकुदेमुस को याद दिलाया, पूर्व काल में इसराएल के बच्चों ने किस प्रकार मूसा से शिकायत करी। वे गिड़गिड़ाए, "हमारे पास कोई भोजन, पानी नहीं है, और हम परमेश्वर की दी इस रोटी से नफरत करते है।"

9

लोगों के पापों ने परमेश्वर को क्रोधित किया। परमेश्वर, उनके बीच उग्र नागों को भेजा। नागों ने लोगों को डसा और बहुतेरे लोग मारे गए।

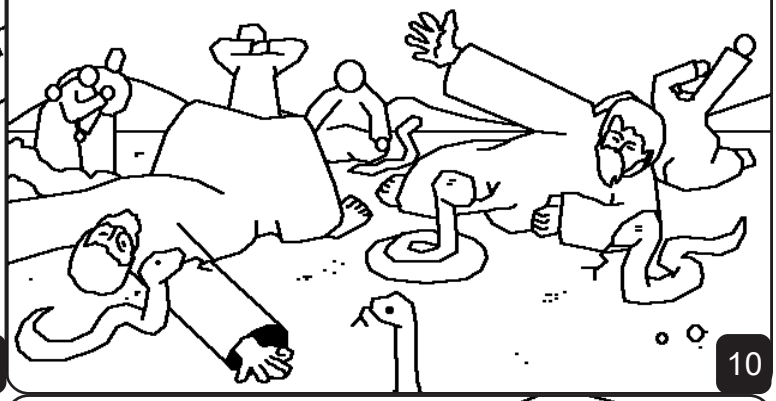

10

"हमने पाप किया है। प्रार्थना करो की यहोवा इन सांपों को हमसे दूर करे," लोगों ने विनती की" तब मूसा ने उनके लिए प्रार्थना की। लेकिन परमेश्वर उन नागों को उनसे दूर नहीं किया।

11

परमेश्वर ने मूसा से कहा की एक उग्र नाग बना और एक उँचे पर उसे टांग दे। परमेश्वर ने यह वादा किया, "हर कोई जिसे नाग डसे वह जीवित रहेगा यदि, वह उँचे पर टंगे नाग को देख ले।" मूसा ने एक पीतल का नाग बनाया और जितनों ने इसे देखा वे लोग चंगे हो गये।

12

यीशु ने नीकुदेमुस को बताया कि, "मनुष्य का पुत्र भी इसी पीतल के नाग की तरह ऊपर चढ़ाया जायेगा।"

13

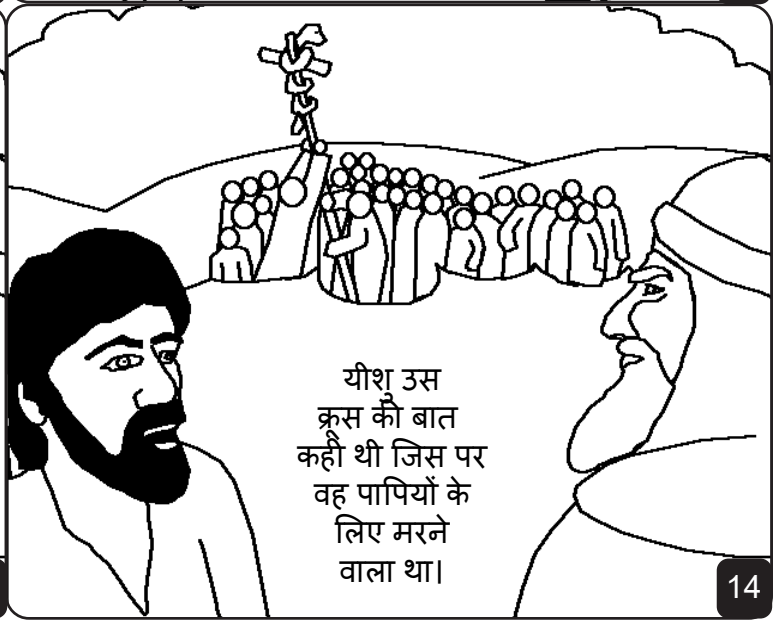

यीशु उस क्रूस की बात कही थी जिस पर वह पापियों के लिए मरने वाला था।

14

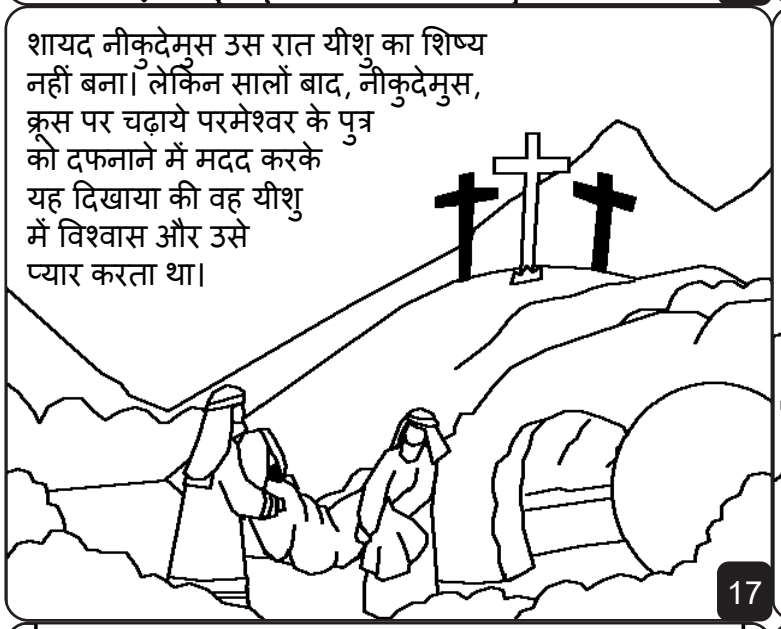

आराधनालय के एक अगुवे की यीशु से मुलाकात

बाइबिल से, परमेश्वर के वाणी में कहानी

में पाया गया

यूहन्ना 2-3, गिनती 21

"जो आपके जीवन में प्रकाश देता है।"
प्लाज्म 119:130

ईश्वर (परमेश्वर) जानता है कि हमने ऐसे गुनाह किए हैं जिन्हें वह पाप कहता है. पाप की सज़ा मौत है.

ईश्वर (परमेश्वर) हमसे इतना प्रेम करता है कि उसने अपने पुत्र यीशु को भेजा कि हमारे पापों की सज़ा के रूप में वह टिकटी (क्रॉस) पर चढ़ कर अपने प्राणों की बलि दे दे. यीशु मरकर फिर जीवित हुआ और पुन: स्वर्ग चला गया. ईश्वर (परमेश्वर) अब हमारे पापों को क्षमा कर सकता है.

यदि आप अपने गुनाहों और पापों से बचना चाहते हैं तो उससे दुआ करें; प्रिय ईश्वर (परमेश्वर) मुझे विश्वास है कि यीशु ने मेरे लिए अपने जीवन की बलि दी और अब पुन: जीवित हुआ है. हे ईश्वर (परमेश्वर) तू मेरी ज़िंदगी में आ और मेरे पापों को माफ कर दे ताकि मैं एक नई ज़िंदगी जी सकूं और हमेशा हमेशा के लिए तेरे साथ रह सकूं. हे ईश्वर (परमेश्वर) मेरी मदद कर ताकि मैं तेरी संतान के रूप में तेरे लिए जी सकूं.
आमीन. जॉन 3:16

बाइबल पढ़ें और प्रतिदिन ईश्वर (परमेश्वर) से बात करें.